# अतीत को गले लगाना: मुगल डिजाइन से प्रेरित आधुनिक इमारतें और शहरी नियोजन परियोजनाएं

सार: आधुनिक इमारतों और शहरी नियोजन परियोजनाओं में, आगा खान पुरस्कार विजेता परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ। यह अध्ययन समकालीन डिजाइन चुनौतियों के लिए ऐतिहासिक वास्तु सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालता है, टिकाऊ, सौंदर्यपूर्ण रूप से सुखद और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध निर्मित वातावरण बनाने में मुगल डिजाइन की स्थायी अपील और व्यावहारिकता का प्रदर्शन करता है।

## परिचय

### पृष्ठभूमि

मुगल साम्राज्य, जिसने 16 वीं और 19वीं शताब्दी के बीच भारतीय उपमहाद्वीप पर शासन किया, ने इस क्षेत्र के स्थापत्य परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी। मुगल वास्तुकला की विशेषता जटिल अलंकरण, सुरुचिपूर्ण अनुपात और प्रकृति और निर्मित संरचनाओं का एक सामंजस्यपूर्ण एकीकरण है। हाल के वर्षों में, आर्किटेक्ट और शहरी नियोजक प्रेरणा के लिए अतीत की ओर देख रहे हैं, समकालीन स्थान बनाने के लिए मुगल डिजाइन सिद्धांतों को अपना रहे हैं जो कार्यात्मक और सौंदर्यपूर्ण रूप से आकर्षक हैं।

### **1.2**। लक्ष्य और उद्देश्य

इस पत्र का उद्देश्य आधुनिक इमारतों और शहरी नियोजन परियोजनाओं के सफल उदाहरणों को उजागर करना है, जिसमें मुगल-प्रेरित डिजाइन तत्वों को शामिल किया गया है। अध्ययन उन परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करेगा जिन्हें वास्तुकला के लिए प्रतिष्ठित आगा खान पुरस्कार मिला है, जो वास्तुशिल्प उत्कृष्टता को पहचानता है जो उन समुदायों की जरूरतों और आकांक्षाओं को संबोधित करता है जिनमें मुसलमानों की महत्वपूर्ण उपस्थिति है। पेपर यह प्रदर्शित करना चाहता है कि मुगल डिजाइन सिद्धांत टिकाऊ, सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और अभिनव समकालीन वास्तुकला और शहरी नियोजन को कैसे सूचित कर सकते हैं।

# मुगल-प्रेरित आधुनिक इमारतें

## **2.1**। आगा खान संग्रहालय, टोरंटो, कनाडा

जापानी वास्तुकार फुमिहिको माकी द्वारा डिज़ाइन किया गया, टोरंटो में आगा खान संग्रहालय इस्लामी कला, संस्कृति और इतिहास को प्रदर्शित करता है। इमारत के डिजाइन में सफेद संगमरमर के अग्रभाग, ज्यामितीय पैटर्न और प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक प्रकाश जैसे मुगल-प्रेरित तत्व शामिल हैं। पारंपरिक फारसी चारबाग उद्यान लेआउट से प्रेरित केंद्रीय प्रांगण, एक शांत नखलिस्तान बनाता है जो आंतरिक और बाहरी स्थानों को जोड़ता है।

## **2.2**। इस्माइली सेंटर, दुशांबे, ताजिकिस्तान

दुशांबे में इस्माइली केंद्र, जिसे भारतीय वास्तुकार फारोख देराखशानी द्वारा डिजाइन किया गया है, मुगल और मध्य एशियाई डिजाइन तत्वों को एकीकृत करता है। परिसर में एक मस्जिद, एक पुस्तकालय और शैक्षिक सुविधाएं शामिल हैं, जो सभी एक केंद्रीय प्रांगण के आसपास व्यवस्थित हैं। इमारत में स्थानीय सामग्री और शिल्प कौशल को शामिल करते हुए मुगल-प्रेरित मेहराब, गुंबद और सजावटी टाइल का काम है।

## **2.3**। पेट्रोनास टावर्स, कुआलालंपुर, मलेशिया

पेट्रोनास टावर्स, अर्जेंटीना के वास्तुकार सीज़र पेली द्वारा डिज़ाइन किया गया, दुनिया की सबसे ऊंची इमारतों में से एक है। जबकि मीनारें आधुनिकता का प्रतीक हैं, उनका डिजाइन पारंपरिक इस्लामी वास्तुकला से प्रेरित है, जिसमें मुगल इमारतों की याद दिलाने वाले तत्व जैसे टेपरिंग फॉर्म और ज्यामितीय पैटर्न शामिल हैं। टावरों की मंजिल योजना आठ-नुकीले तारे पर आधारित है, जो आमतौर पर इस्लामी और मुगल वास्तुकला में पाया जाता है।

# मुगल-प्रेरित शहरी नियोजन परियोजनाएं

## **3.1**। सुंदर नर्सरी, नई दिल्ली, भारत

सुंदर नर्सरी, नई दिल्ली में 90 एकड़ का शहरी पार्क, आगा खान ट्रस्ट फॉर कल्चर, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और अन्य भागीदारों के बीच एक सहयोगी प्रयास के माध्यम से बदल दिया गया है। इस परियोजना ने 15 मुगलकालीन स्मारकों को पुनर्स्थापित किया है और मुगल चारबाग लेआउट से प्रेरित उद्यानों का एक नेटवर्क तैयार किया है। पार्क अब एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थान और सतत शहरी विकास के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य करता है।

## **3.2**। बाबर के गार्डन, काबुल, अफगानिस्तान

बाबर गार्डन, मुगल सम्राट बाबर के अंतिम विश्राम स्थल को आगा खान ट्रस्ट फॉर कल्चर के नेतृत्व में एक परियोजना के माध्यम से बहाल और पुनर्जीवित किया गया है।

### **3.2.1**। परियोजना अवलोकन

काबुल में बाबर के उद्यानों के जीर्णोद्धार में ऐतिहासिक संरचनाओं का संरक्षण, मुगल चारबाग उद्यान लेआउट का पुनर्स्थापन, और स्थानीय समुदाय के लिए नए सार्वजनिक स्थानों का निर्माण शामिल था। यह परियोजना काबुल के निवासियों के लिए बहुत आवश्यक हरित स्थान और मनोरंजक सुविधाएं प्रदान करते हुए साइट के ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित करने पर केंद्रित थी।

### **3.2.2**। डिजाइन के तत्व

जीर्णोद्धार परियोजना में मुगल-प्रेरित डिजाइन तत्व जैसे जल चैनल, फव्वारे और सीढ़ीदार उद्यान शामिल थे। बगीचों में अब देशी पौधे, वॉकवे और बैठने की जगह हैं जो आगंतुकों को अंतरिक्ष की प्राकृतिक सुंदरता और शांति का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

# मुगल-प्रेरित परियोजनाओं से सबक

## **4.1**। वहनीयता

आधुनिक इमारतों और शहरी नियोजन परियोजनाओं में मुगल डिजाइन तत्वों का सफल एकीकरण सतत विकास को सूचित करने के लिए पारंपरिक वास्तु सिद्धांतों की क्षमता पर प्रकाश डालता है। प्राकृतिक प्रकाश, निष्क्रिय शीतलन और स्थानीय सामग्रियों के उपयोग पर मुगल वास्तुकला का जोर समकालीन डिजाइनरों के लिए मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है जो अपनी परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने की मांग कर रहे हैं।

## **4.2**। सांस्कृतिक संवेदनशीलता

समकालीन परियोजनाओं में मुगल-प्रेरित डिजाइन तत्वों को शामिल करने से सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील स्थान बनाने में मदद मिल सकती है जो स्थानीय समुदायों के साथ प्रतिध्वनित हो। एक साझा वास्तुशिल्प विरासत पर आरेखण करके, ये परियोजनाएं निर्मित वातावरण में अपनेपन और गर्व की भावना को बढ़ावा देती हैं।

## **4.3**। नवाचार

आधुनिक इमारतों और शहरी नियोजन परियोजनाओं के लिए मुगल डिजाइन सिद्धांतों का अनुकूलन उन नवीन समाधानों की क्षमता को प्रदर्शित करता है जो पारंपरिक और समकालीन तकनीकों को जोड़ती हैं। अतीत पर दोबारा गौर करके, आर्किटेक्ट और योजनाकार वर्तमान की चुनौतियों के लिए नए दृष्टिकोण के लिए प्रेरणा पा सकते हैं।

## निष्कर्ष

इस पत्र में आगा खान पुरस्कार विजेता परियोजनाओं पर ध्यान देने के साथ आधुनिक इमारतों और शहरी नियोजन परियोजनाओं के कई सफल उदाहरणों पर प्रकाश डाला गया है, जिनमें मुगल-प्रेरित डिजाइन तत्वों को शामिल किया गया है। ये मामले के अध्ययन

मुगल वास्तुकला की स्थायी अपील और समकालीन डिजाइन चुनौतियों के लिए इसकी प्रासंगिकता को प्रदर्शित करते हैं।

मुगल साम्राज्य की समृद्ध स्थापत्य विरासत पर चित्रण करके, आर्किटेक्ट और शहरी नियोजक ऐसे निर्मित वातावरण बना सकते हैं जो टिकाऊ, सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और अभिनव हों। इन परियोजनाओं में मुगल डिजाइन तत्वों का सफल एकीकरण भविष्य की ओर देखते हुए अतीत को गले लगाने के महत्व पर जोर देते हुए वास्तुकला और शहरी नियोजन के भविष्य के लिए मूल्यवान सबक प्रदान करता है।